सीमा पाठक
५०

गृहविज्ञान B.A. III

Date
Page

परिधान हेतु वस्त्रों का चुनाव :-

मानव की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ होती हैं भोजन व पानी के पश्चात वस्त्र का स्थान वाला है। जिस प्रकार व्यक्ति भोजन ग्रहण कर उसका उपयोग केवल भूख की तृप्ति हेतु ही नहीं करता वरन् वह उस भोजन में विविधता व सन्तुष्टि भी प्राप्त करना चाहता है। उसी प्रकार व्यक्ति वस्त्रों का प्रयोग केवल शारीरिक सुरक्षा हेतु ही नहीं करता वरन वह वस्त्रों में विविधता सुन्दरता नवीनता व सन्तुष्टि की प्राप्ति भी चाहता है।

समस्यात्मक शरीर के अनुरूप परिधान योजना -

वस्त्रों का चुनाव करते समय शारीरिक संरचना, गठन त्वचा के रंग एवं चेहरे को ध्यान मे रखना आवश्यक है। परिधान पर बने नमूने व रेखाएँ जहाँ हमारी शारीरिक रचना में उभार लाते हैं। वहीं ये कई शारीरिक दोषों को भी छुपा लेते हैं।

1- नाटी एवं दुबली महिला (ii) दुबली एवं लम्बी महिला (iii) नाटी एवं मोटी महिला (iv) औसत लम्बाई एवं दुबली आकृति वाली महिला।

परिधान के लिए वस्त्रों का चयन →
सुन्दर व आकर्षक वस्त्र व्यक्ति की सामाजिक व सांस्कृति प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं। सुन्दर परिधान बच्चो व युवा वर्ग के समुचित विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। इसलिए वस्त्रों का चयन करते समय इस बात का सदैव ध्यान रखा जाए कि हम जिस वस्त्र का चयन कर रहे हैं वह हमारे शरीराकृति के अनुरुप है या नहीं तथा जिस अवसर या समय की परिस्थिति के लिए वस्त्र खरीदा जा रहा है।

आयु के अनुसार →
परिधान के लिए वस्त्रों का चुनाव करते समय आयु को भी ध्यान चाहिए विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों का वस्त्र का चयन भिन्न-भिन्न प्रकार का होना चाहिए अतः आयु के अनुसार वस्त्रों का चयन निम्नानुसार किया जाना चाहिए —

(1) बालकों के लिए वस्त्र का चयन →
(i) सुरक्षा (ii) आराम (iii) मित व्ययिता (iv) स्वयं सहायता वस्त्र (v) रूप (vi) वृद्धि के अनुरूप

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया